Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ -3

मुद्रा और साख

याद रखने योग्य बाते :-

(1) मुद्रा विनिमय के माध्यम में सामान्य रूप से स्वीकार्य है जो मूल्य के मापक तथा भंडार के रूप में कार्य करती है।

(2) कागजी मुद्रा कागज के काम के बने विभिन्न अंकित मूल्य के नोटों से है।

(3) धातु मुद्रा सोना, चांदी, निकल, तांबा आदि किसी भी धातु से बनी मुद्रा को धातु मुद्रा कहते है।

(4) बैकिंग उधार देने या निवेश करने के ध्येय से जनता से मांगने पर या चैक आदि के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय जमाएं स्वीकार करने को बैकिंग कहते है।

(5) औपचारिक ऋण के अन्तर्गत बैकों और सहकारी समितियों से लिए गए कर्ज आते है।

(6) अनौपचारिक ऋण में साहूकार, व्यापारी, मालिक, रिश्तेदार दोस्त आदि से लिया गया ऋण आता है।

बहुवैकल्पिक प्रश्न (1 अंक वाले)

प्रश्न1 :- भारत में विनिमय माध्यम के रूप में कौन-सी करेंसी का प्रयोग किया जाता है?

(क) डॉलर (ख) पौड़ (ग) यूरो (घ) रूपया

प्रश्न 2 :- मुद्रा को विनियम का माध्यम कहा जाता है क्योंकि -

(क) इसे किसी भी वस्तु या सेवा के लिए सरलता से बदला जा सकता है।

(ख) इसमे दोहरे संयोग की आवश्यकता से छुटकारा मिलता है।

(ग) यह विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का कार्य करती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3:- मुद्रा का निर्गमन किसके द्वारा किया जाता है?

(क) केन्द्रीय सरकार की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक

(ख) भारत के राष्ट्रपति

(ग) वित्त मंत्री

(घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न 4 :- निम्नलिखित में साख के औपचारिक साधनों में नही होते

(क) बैंक (ख) सहकारी समितियां (ग) कर्मचारी (घ) उपरोक्त में कोई नही

प्रश्न 5 :- एस. एच. जी. क्या है?

(क) स्वयं सहायता समूह (ख) स्वयं हस्तकला समूह (ग) सामाजिक सहायता समूह

(घ) समाज सहायता समूह

प्रश्न 6 :- निम्नलिखित में करेंसी मुद्रा का रूप है?

(क) सबसे पुराना (ख) आधुनिक (ग) दोनों क और ख (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न 7 :- निम्नलिखित में बैंक साख का कौन-सा साधन है?

(क) औपचारिक (ख) अनौपचारिक (ग) दोनों क और ख (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न 8 :- निम्नलिखित में साहूकार उधार राशि पर ब्याज लेता है?

(क) बहुत अधिक (ख) बहुत कम (ग) सामान्य (घ) कुछ नही

प्रश्न 9 :- निम्नलिखित में बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक से कर्ज लेने वाले अधिकांश कौन है?

(क) पुरूष (ख) महिलाएं (ग) वरिष्ठ नागरिक (घ) ये सभी

प्रश्न 10 :- धनी परिवारों के लिए साख का कौन-सा मुख्य स्रोत है?

(क) अनौपचारिक क्षेत्रक (ख) औपचारिक क्षेत्र (ग) अनौपचारिक तथा औपचारिक क्षेत्रक

(घ) उपरोक्त में कोई नही

प्रश्न 11 :- सिक्कों के प्रयोग से पहले निम्नलिखित में से कौन सी वस्तु का मुद्रा के रूप में प्रयोग किया जाता था?

(क) अनाज (ख) मकान

(ग) खेत (घ) दुकान

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

लघु उत्तर वाले प्रश्न (3/4 अंक)

प्रश्न 1 :- मुद्रा का अर्थ तथा कार्य का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2 :- गृह ऋण लेने के लिए ऋणी को कौन-कौन सी औपचारिकताएं करनी पड़ती है?

प्रश्न 3 :- साख के औपचारिक क्षेत्र तथा अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएं बताइएं?

प्रश्न 4 :- हमें बैंक की क्या आवश्यकता है? बैंक कौन-सी सेवाएं देते है? बैंको का आय का मुख्य स्त्रोत क्या है?

प्रश्न 5 :- ग्रामीण क्षेत्र में साख के कौन से स्रोत है? उनमें से कौन-सा साख का सुविधाजनक स्रोत है?

प्रश्न 6 :- हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की आवश्यकता क्यो है?

प्रश्न 7 :- क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नही होते?

प्रश्न 8 :- किसी देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा क्या भूमिका निभाती है?

प्रश्न 9 :- वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएं बताइएँ?

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

(1) (घ) रूपया

(2) (घ) उपरोक्त सभी

(3) (क) केन्द्रीय सरकार की और से भारतीय रिजर्व बैंक

(4) (ग) कर्मचारी

(5) (क) स्वयं सहायता समूह

(6) (ख) आधुनिक

(7) (क) औपचारिक

(8) (क) बहुत अधिक

(9) (ख) महिलाएं

(10) (ख) औपचारिक क्षेत्रक

(11) (क) अनाज

लघु प्रश्नों के उत्तर

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रश्न 1 :- मुद्रा विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार की जाती है जैसे - नोट, सिक्के।

कार्य - (1) मूल्य का मापन करना

(2) मूल्य का संचय

(3) स्थगित भुगतान का मान

(4) साख का आधार

(5) यह राष्ट्रीय आय का वितरण करती है।

(6) यह तरलता प्रदान करती है।

उत्तर 2 :- (1) पहले उसे आय के स्रोत का प्रमाण पत्र देना होगा।

(2) रोजगार का रिकार्ड देखना

(3) नये मकान के कागज बैंक को सौपना

(4) बैंक सन्तुष्ट नही होता तो वह एक/दो व्यक्तियों की गारंटी लेता है।

(5) गांरटी देने वालो से ऋण का भुगतान लिया जाता है यदि उधार लेने वाला व्यक्ति ऋण नही चुका पाता।

उत्तर 3 :-

साख के औपचारिक क्षेत्र	साख के अनौपचारिक क्षेत्र
(1) बैंक, सहकारी समितियां	(1) महाजन, साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता मित्र , रिश्तेदार
(2) ब्याज दर कम	(2) ब्याज दर अधिक
(3) इसमें उधार लेने वाले का शोषण नही होता	(3) इसमें उधार लेने वाले का शोषण होता है

उत्तर 4 :- आधुनिक समय में प्रतिदिन आर्थिक कार्यो तथा राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दृष्टि से बैंको की आवश्यकता होती है।

सेवाएं (1) लोगों में बचत की भावना पैदा करना

(2) बचत को सुरक्षा देना

(3) बचत पर ब्याज देना

(4) आवश्यकता पड़ने पर बैंक हमें अपनी जमा राशि निकालने की सुविधा देता है।

(5) आवश्यकता पड़ने पार वह गृह ऋण, व्यापारियों को ऋण देता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर 5 :- औपचारिक स्रोत - बैंक सहकारी समितियां

(2) अनौपचारिक स्रोत - साहूकार, महाजन रिश्तेदार

सुविधाजनक स्रोत

अनौपचारिक स्रोत इसके कारण निम्न है :-

(1) अनौपचारिक स्रोत से ऋण मिलना सरल है। जरूरत के समय तत्काल मिल जाता है।

(2) इसमें औपचारिक स्रोत की अपेक्षा ऋण लेते समय कम गांरटी की आवश्यकता होती है।

उ॰ 6 :- (1) अन औपचारिक स्रोत से ऋण लेने पर अधिक ब्याज लेते है।

(2) औपचारिक ऋण दाता को अनौपचारिक ऋण दाता की अपेक्षा ज्यादा फायदा होता है।

(3) अनौपचारिक ऋण उधारदाता से अधिक ब्याज लेते है। जिससे यह कर्ज बहुत महंगा पड़ता है।

उ॰ 7 :- (1) भारत के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक का न होना

(2) बैंक से कर्ज लेना साहूकार से कर्ज लेने की अपेक्षा ज्यादा मुश्किल है।

(3) बैंक से कर्ज लेते वक्त संपत्ति और तमाम किस्म के कागजातों की जरूरत पड़ती है।

(4) गरीब परिवार को बैंक ऋण नही देता।

उ॰ 8 :- (1) देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मुख्य भूमिका है। मानव के प्रत्येक कार्य में धन का उपयोग किया जाता है।

(2) मुद्रा के बिना लेन-देन करना कठिन कार्य होता है।

(3) मूल्य की एक इकाई

(4) आस्थगित भुगतानों का एक मानक

(5) मूल्य का संचय या संग्राहक

उ॰ 9 :- (1) वस्तु विनिमय तभी संभव है जब आवश्यकता का दोहरा संयोग पाया जाए

(2) वस्तु विनिमय प्रणाली में धन या मूल्य के संचय में कठिनाई होती है।

(3) कुछ वस्तुएँ अविभाज्य होती है अत: कुछ आवश्यकताएँ पूरी नही की जा सकती।

(4) वस्तुओं का भंडारण लंबे समय के लिए नही किया जा सकता।

Downloaded from www.studiestoday.com